

फर्द अहकाम

(नियम 26)

अज अदालत . वरिष्ठ सिविल न्यायाधीश एवं अति. मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, मुकाम... रींगस

.....किसनाराम वगै..... बनामरुघनाथ वगै.....

किस्म मुकदमाप्रकरण संख्या ...44.../.....2015.....

| तारीख हुकम | हुकम या कार्यवाही गय इनिशियल्स जज | नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुकम की तारीख में जारी हुए |
|------------|---|--|
| | <p>दिनांक: 25.11.2025</p> <p>वादी/वादीगण अनुपस्थित के अधिवक्ता अनुपस्थित। प्रतिवादी/प्रतिवादीगण अनुपस्थित के अधिवक्ता उपस्थित। अभिभाषकगण वार संघ के आह्वान पर कथित मांगों के सम्बन्ध में न्यायालय में उपस्थिति नहीं दे रहे हैं। अभिभाषकगण द्वारा किये गये कार्य स्थगन/हड़ताल के कारण पत्रावली में प्रभावी कार्यवाही नहीं हो पा रही है। माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा हरीश उप्पल बनाम यूनियन ऑफ इंडिया 2003(2) एस.सी.सी. पेज 45, ए.आई.आर 2003 एस.सी. 739 के मामले में अधिवक्तागण द्वारा किये गये न्यायिक कार्य स्थगन/हड़ताल, जो एक दिन से अधिक का हो, को अवैधानिक/अनैतिक करार दिया गया है। माननीय सर्वोच्च न्यायालय के दिशा निर्देशों के अनुरूप यदि इस न्यायालय द्वारा प्रकरण में कोई प्रभावी कार्यवाही नहीं की जाती है तो इसका तात्पर्य अधिवक्तागण द्वारा की गई गैर कानूनी कार्यवाही को न्यायालय द्वारा सहयोग किया जाना माना जावेगा। इस बाबत माननीय राजस्थान उच्च न्यायालय द्वारा परिपत्र क्रमांक पी.आई/02/2015 दिनांक 08.04.2015 भी जारी किया हुआ है। लिहाजा प्रकरण के तथ्यों को देखते हुए व पक्षकारों के हित प्रतिकूलतः व सारतः प्रभावित न हो, एक अवसर पक्षकारान/अधिवक्तागण को उपस्थिति हेतु दिया जाना उचित है। आयंदा पक्षकारान/अधिवक्तागण के उपस्थित नहीं आने पर पत्रावली में प्रभावी आदेश पारित किया जावेगा।</p> <p>पत्रावली वास्ते अग्रिम कार्यवाही दिनांक 27.11.2025 को पेश हो।</p> | |

ममता रोहिला
वरिष्ठ सिविल न्यायाधीश
रींगस, जिला-सीकर